सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या

जनपद–बहराइच

दिनांक 08 एवं 09 दिसम्बर, 2016

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डॉ0 अमरेश बहादुर सिंह, उपमहाप्रबन्धक, एन0सी0डी0, श्री अभिषेक सिंह, स्टेट कोआर्डिनेटर, ब्लड सेल एवं श्री अरविन्द सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, मानव संसाधन द्वारा जनपद बहराइच की विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 08 एवं 09 दिसम्बर, 2016 को किया गया है। जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

➢ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–मुस्तफाबाद (नान एफ.आर.यू.)

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुस्तफाबाद 30 बिस्तरे वाली इकाई है जिसमें लगभग 200 प्रसव का मासिक प्रसव भार हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 05 एम0बी0बी0एस0 चिकित्सक 02 आयुस चिकित्सक की पोस्टिंग है, लेकिन भ्रमण के दौरान केवल 01 चिकित्सक उपस्थित पाया गया। भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकित्सा अधीक्षक डॉ पी0एल0 मौर्य उपस्थित मिले। भ्रमण टीम द्वारा चिकित्सा अधीक्षक को भ्रमण पर आने का उददे्श्य बताया गया।
- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/–एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं पाया गया।
- जननी सुरक्षा योजना के अर्न्तगत अप्रैल से नवम्बर 2016 तक कुल 1522 प्रसव हुये है जिसमें से 1250 लाभार्थियों का ही भुगतान किया गया है।
- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे। पलेसेन्टा के निस्तारण की समुचित व्यवस्था नही पाई गई।
- प्रसव रजिस्टर में भर्ती करने का दिनांक एवं समय अंकित नही किया जा रहा था, अभिलेख को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। लेबर कक्षम मे सक्शन मशीन क्रियाशील नही पायी गयी।
- बेड हेड टिकट पुराने फार्मेट में ही भरा जा रहा था। पार्टोग्राफ उपलब्ध नही पाया गया एवं स्टाफ को पार्टोग्राफ भरना भी नही आता था। तैनात स्टाफ नर्स को आक्सीजन सिलेडर की प्रयोग करने की जानकारी नही थी।
- लेबर रूम रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 न0 दर्ज नही किया जा रहा था। ई0डी0एल0 को दवा वितरण केन्द्र के पास प्रदर्शित करने के निर्देश दिये गये।
- लेबर रूम मे उपलब्ध सभी 03 लेबर टेबल में कैलीस पैड पंचर पाये गये। लेबर रूम में अटैच्ड बाथरूम क्रियाशील नही पाया गया एवं उसमें पानी की भी समुचित व्यवस्था नही थी।

- एम0एन0एच0 टूल किट मानकानुसार लेबर रूम में 05 ट्रे की जगह 04 ट्रे पाई गई। आर्टरी फॉर्सेप्स, प्लास्टिक बेबी ट्रे, विटामिन के, इन्जेक्शन Fortwin एवं इन्जेक्शन Hydrazline आदि उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव ंनाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- औषधियों की स्टाक बुक में बैच संख्या एवं दिनांक लिखने की आवश्यकता है।
- मातृ मृत्यु समीक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत 04 मातृ मृत्यु रिपोर्ट की गयी थी जिसमें 02 मातृ मृत्यु की समीक्षा कर ली गयी है जिसका रिकार्ड उपलब्ध नही था।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एच. बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।

➢ **सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–केसरगंज (एफ.आर.यू.)**

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, पनवाडी 30 बिस्तरे वाली एफ0आर0यू0 इकाई थी जिसमे औसतन 350 प्रसव का मासिक प्रसव भार एवं अप्रैल, 2016 से दिसम्बर तक का 3203 प्रसव हुये है, जिसमें से 2283 लाभार्थियों का ही भुगतान हुआ है। स्वास्थ्य इकाई में अप्रैल से दिसम्बर 2016 तक केवल 04 सेजिरियन प्रसव ही करवायें गये है।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द के पास ही 50 बिस्तरें वाली मैटरनिटी विंग बनकर तैयार हो गयी है जिसमें प्रसव का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।
- आई0ई0सी0 सामग्री के प्रदर्शन की आवश्यकता है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकनुसार अभिलेख उपलब्ध नही पाए गए। एम0एन0एच0 टूल किट मानकानुसार लेबर रूम में 07 ट्रे नही पाई गई।
- लेबर रूम रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 न0 दर्ज नही किया जा रहा था। ई0डी0एल0 को दवा वितरण केन्द्र के पास प्रदर्शित करने के निर्देश दिये गये।
- बेड हेड टिकट पुराने फार्मेट में ही भरा जा रहा था। पार्टोग्राफ उपलब्ध नही पाया गया एवं स्टाफ को पार्टोग्राफ के बारे में जानकारी नही थी।
- औषधि स्टाक, जे0एस0एस0के0 के अभिलेखों का रिकार्ड अपूर्ण एवं रख रखाव खराब पाया गया। पलेसेन्टा को गैलरी में ही स्टोर किया जा रहा था, निस्तारण की समुचित व्यवस्था नही पाई गई।
- OCPs, EC pill उपलब्ध नही पाई गई। रक्त संग्रह केन्द्र अक्रियाशील पाया गया।
- स्वास्थ्य केन्द्र में मौजूद 108 एम्बुलेंस में ए0सी0, मेडिसन की इमरजेसीं किट एवं पी0डी0आर0 बुक उपलब्ध नही थी। एम्बुलेंस बहुत ही रफ स्थिति में व गंदी पायी गयी।

➢ **जिला महिला चिकित्सालय बहराइच–(एफ0आर0यू0)**

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। वित्तीय वर्ष 2016–17 में माह अप्रैल से दिसम्बर माह तक की अवधि में कुल 26830 प्रसव कराये गये जबकि 26830 प्रसव के सापेक्ष केवल 23944 लाभार्थियों का ही भुगतान पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से किया गया था। प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।
- स्वास्थ्य इकाई में माह अप्रैल से दिसम्बर 16 तक कुल 1400 प्रसव सीजेरियन प्रसव करवायें गयें। नवम्बर 16 मे कुल 186 प्रसव सीजेरियन किये गये है।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत वित्तीय एवं भौतिक रिकार्ड जैसे–लेजर, कैशबुक अद्यतन नही पाये गये। पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से भुगतान न हुये जे0एस0वाई0 लाभार्थियों का रिकार्ड भी अद्यतन नही पाया गया।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव ंनाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख के रुप में उपलब्ध नहीं था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- वेस्ट मैनेजमेंट हेतु colour coded dustbins उपयोग में नहीं लाये जा रहे थे।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया था और एफ.बी.एन.सी. एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- स्वास्थ्य इकाई में ड्रग लिस्ट डिस्पले थी पर विजबिल नही थी जिसे दोबारा पेन्ट कराने के लिए कहा गया।
- जिला महिला चिकित्सालय में शिकायत निवारण सेल गठित नही है एवं चिकित्सालय में सुझाव पेटिका उपलब्ध नही थी ।
- फैमिली प्लानिंग काउन्सलर द्वारा वार्ड में जाकर काउन्सलिंग की जा रही है जिससे लाभार्थी परिवार नियोजन के बारे जागरूक हो रहे थे।

➢ जिला पुरूष चिकित्सालय–बहराइच

- भ्रमण टीम द्वारा जिला पुरुष चिकित्सालय में स्थापित एन0आर0सी का भ्रमण किया गया। 10 बिड की एन0आर0सी0 में 06 बच्चे एडमिट पाये गये। एन0आर0सी0 में 01 पीडियाट्रीशियन, 01 मेडिकल आफिसर, 01 न्यूट्रीशियन काउन्सलर, 04 स्टाफनर्स एवं 01 वार्ड ब्वाय के रूप में मानव संसाधन कार्यरत है। एन0आर0सी0 में पोस्टेड स्टॉफ में से केवल नेहा सिंह (केयर टेकर) एवं स्टॉफ नर्स नीता द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रही थी। डॉ0 रुपम अग्रवाल, एम0बी0बी0एस0 चिकित्सक 07 दिसम्बर से एवं न्यूट्रिनिस्ट 30 नवम्बर, 2016 से अवकाश पर है।

- ब्लड बैंक क्रियाशील पाया गया, 02 फ्रीजर खराब पायें गये जिसे यथाशीघ्र क्रियाशील करने के निर्देश दिये गये।
- एन0आर0सी0 में कार्यरत कुक द्वारा जिला अस्पताल में स्थापित किचन में खाना तैयार कर कुपोषित बच्चों एवं माताओं को उपलब्ध कराया जा रहा था।
- एन0आर0सी0 में रोशनी बहुत ही कम थी जिसमें एल0ई0डी0 लगाने के निर्देश दिये गये। एन0आर0सी0 वार्ड में आई0ई0सी0 प्रदर्शित थी एवं कार्यरत न्यूट्रीशियन काउन्सलर द्वारा भर्ती बच्चों की माताओं की काउनसिलिंग नही की जा रही थी।
- राज्य स्तर से जनपदों को प्रेषित एन0आर0सी0 संचालन हेतु दिशानिर्देशों का अनुपालन नही किया जा रहा था एवं अप्रैल से नवम्बर माह तक का कोई भी वित्तीय रिकार्ड उपलब्ध नही था।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –नानपारा

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नानपारा 30 बिस्तरे वाली नान ब्लाक सी0एच0सी0 है जो जनपदीय मुख्यालय से लगभग 40 कि0मी0 दूर स्थापित है। जिसमे लगभग 65 से 70 प्रसव का प्रत्येक माह का प्रसव भार पाया गया।
- भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य इकाई में उपलब्ध उपस्थिति रजिस्टर में पिछले तीन दिनों से स्टाफ एवं डाक्टरो के द्वारा हस्ताक्षर नही किये जा रहे थे एवं भ्रमण के दौरान स्टाफ व डाक्टर उपस्थित भी नही पाये गयें एवं न ही उनकी अवकाश की एप्लीकेशन पायी गयी।
- इमरजेंसी रूम अक्रियाशील पाया गया जिसमें इमरजेसीं ट्रे भी उपलब्ध नही थी।
- स्वास्थ्य इकाई में समस्त संविदा स्टाफ का मानदेय मासिक रूप से अवमुक्त किया जा रहा था लेकिन 02 संविदा स्टाफ नर्स मिस शिवा एवं शारदा कुमारी का अगस्त माह से मानदेय भुगतान नही किया गया था। स्टाफ नर्सो का यथाशीघ्र मानदेय भुगता करने के निर्देश दिये गये।
- स्वास्थ्य इकाई भ्रमण के दौरान द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के स्टाफ द्वारा कोई भी वित्तीय एवं भौतिक अभिलेख प्रदान नही कराया गया।
- प्रसव टेबल पर मैट्रिक्स, शीट एवं कैलिसपैड नही लगा था। टेबलो के बीच प्राइवेसी हेतु पर्दे भी नही लगे थे। डिलीवरी रुम में मानकानुसार कोई भी प्राटोकाल फॉलो नही किया जा रहा था। प्रसव कक्ष में उपलब्ध आक्सीजन सेलेण्डर खराब पाया गया।
- लेबर रूम में वॉल क्लाक नही पायी गयी। एन0बी0सी0सी0 केयर कार्न अक्रियाशील पाया गया।
- 09 दिसम्बर की सुबह 03 प्रसव हुये अकिंत थे लेकिन भ्रमण के समय कोई लाभार्थी नही था। 04 घंटे के अन्दर ही प्रसव पश्चात महिला को डिस्चार्ज किया जा रहा था। जे0एस0एस0के0 कार्यक्रम के तहत धात्री माता को प्रदान किया जाने निःशुल्क भोजन भी नही दिया जा रहा था एवं न ही डाइटं का रिकार्ड ब्यवस्थित किया जा रहा था।

- सादे पेज पर बी0एच0टी0 लाभार्थी के डिस्चार्ज भरी जा रही थी।
- प्रसव रजिस्टर में सीरियल न0 84 पर प्रसव सुबह 05 बजे का दर्ज था लेकिन रजिस्टर में महिला का नाम, पता एवं डिस्चार्ज का समय दर्ज नही था एवं न ही उस महिला की बी0एच0टी0 उपलब्ध थी।
- प्रसव रजिस्टर भी अब्यवस्थित पाया गया जिसके मध्य के 15 पेज खाली पाये गये।
- प्रत्येक माह की 09 तारीख को प्रत्येक स्वास्थ्य इकाई में आयोजित किये जाने वाला प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान भी इस स्वास्थ्य इकाई में आयोजित नही किया जा रहा था, यहा तक कि जिला से आयी एक वालेण्टीयर महिला चिकित्सक को अधीक्षक चिकित्सा अधीक्षक द्वारा डाटकर यह कहकर भगा दिया गया कि यहा कोई अभियान का आयोजन नही किया जा रहा है।
- लाभार्थीयों से पैथालॉजी जांच एवं प्रेग्नेसी टेस्ट का भी पैसा लिया जा रहा था। जब कि राज्य से समस्त जांच निःशुल्क करने के निर्देश है।
- लेबर रूम में मानकानुसार नान एफ0आर0यू0 इकाई में 6 ट्रे की जगह केवल 03 ट्रे ही उपलब्ध पायी गयी। रिडियन्ट वार्मर एवं ब्वायलर भी खराब पाया गया। जिसे यथाशीघ्र सही कराने के निर्देश दिये गयें।
- लेबर रूम के टायलेट की साफ सफाई एवं पानी की उपलब्धता की आवश्यता है एवं बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के प्रबनधन की भी कोई ब्यवस्था नही पायी गयी। भ्रमण दल द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट प्रबन्धन की ब्यवस्था हेतु एजेंसी से अनुबन्ध करने के लिए निर्देश दिये गये।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एफ.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।

उपर्युक्त समस्त तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि नानपारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केन्द्र के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अपने उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यों का सही से निर्वाहन नहीं किया जा रहा है एवं स्वास्थ्य मिशन के लक्ष्यों को अनदेखा कर मनमाने तरीके से स्वास्थ्य इकाई पर स्वास्थ्य सेवायें प्रदान की जा रही है।

➢ <u>उपकेन्द्र–ककरी, ग्राम पंचायत अमवा हुसैनपुर</u>

- उपकेन्द्र ककरी में स्थापित उपकेन्द्र का भ्रमण टीम द्वारा अवलोकन किया गया। भम्रण के दौरान उपकेन्द्र पर आशा एवं सहायिका उपस्थित थी। ए0एन0एम0 के अस्वस्थ होने के कारण 01 सप्ताह से उपकेन्द्र पर प्रसव कार्य नहीं हो रहा था। प्रसव रिकार्ड के अनुसार लगभग 25–30 प्रसव का औसतन प्रसव भार पाया गया।
- लेबर रुम के अटैच्ड बाथरुम में कबाड़ भरा पाया गया जिसे तत्काल हटाकर बाथरुम को क्रियाशील किये जाने के निर्देश दिये गये।

- लेबर रुम में सरसों के तेल की भरी हुई शीशी पायी गयी जिस पर भ्रमण टीम द्वारा नराजगी व्यक्त की गयी एवं तत्काल लेबर रुम से शीशी हटाने के निर्देश दिये गये।
- लेबर रुम में उपलब्ध ट्रे में केविन इन्जेक्शन एन0वी0–16 अक्टूबर, 16 का एक्सपायरी पाया गया। जिसे तुरन्त हटाये जान के निर्देश दिये गये।
- लेबर रुम में लेबर टेबल पर मैट्रेक्स, कैलिसपाईड, डस्टबीन एवं दिवाल घड़ी उपलब्ध नहीं थी। प्रसव कक्ष में प्रकाश की उचित व्यवस्था नहीं थी। ग्राम प्रधान से मिलकर भ्रमण टीम द्वारा उपकेन्द्र पर प्रसव कार्य हेतु प्रकाश की व्यवस्था हेतु निर्देश दिया गया।
- बायोमेडिकल वेस्ट को डिस्पोजल करने हेतु कोई व्यवस्था ए0एन0एम0 द्वारा नहीं की गयी थी। बायोमेडिकल वेस्ट एवं प्लेसेंटा ए0एन0एम0 द्वारा उपकेन्द्र के बाहर फेका जा रहा था। टीम द्वारा बायोमेडिकल वेस्ट को डिस्पोजल करने हेतु पिट बनवाने के निर्देश दिये गये।
- उपकेन्द्र में आई0ई0सी0 का अच्छा प्रदर्शन था। ए0एन0एम0 को सुझाव दिया गया कि वी.एच.एन.डी सत्र हेतु एक फ्लैक्स बैनर बनवा ले जिससे जहॉ भी सत्र आयोजित हो तो उसको लगाया जा सके।
- ए0एन0एम0 द्वारा सभी गर्भवती महिलाओं का ब्लड प्रेशर, वजन, हिमोग्लोबिन इत्यादि का परीक्षण किया जा रहा था।

उपर्युक्त वर्णित समस्त स्वास्थ्य इकाईयों का भ्रमण करने के उपरान्त भ्रमण टीम द्वारा जनपद–बहराइच के मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं उप मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ बैठक कर भ्रमण की गयी, स्वास्थ्य इकाईयों की यथास्थिति से अवगत कराया गया एवं प्राप्त कमियों में सुधार हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये।

(अरविन्द सिंह)	(अभिषेक सिंह)	(डा0ए0बी0सिंह)
पी0सी0,एच0आर0	स्टेट कोआर्डिनेटर, ब्लड सेल	उपमहाप्रबन्धक, एन0सी0डी0